Seventeenth Loksabha

an>

Title: Reg. Need for introduction of Shatabdi/Superfast chair car train between Gorakhpur and Prayagraj.

श्री रवि किशन (गोरखपुर) : महोदया, गोरखपुर-भटनी-वाराणसी होते हुए प्रयागराज तक अत्यंत महत्वपूर्ण रेल खंड है । इस रेल खंड पर लाखों यात्री यात्रा करते हैं । गोरखपुर-वाराणसी व प्रयागराज व्यापारिक एवं धार्मिक पर्यटन के रूप में अत्यंत ही महत्वपूर्ण है । लाखों लोग गोरखपुर में गोरखनाथ मन्दिर, मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के पुत्र कुश की नगरी कुशीनगर में भगवान बुद्ध की तीर्थ स्थल महापरिनिर्वाण स्थली से पूजा-अर्चना करने आते हैं । इसी प्रकार कबीर दास जी की नगरी संत कबीर नगर एवं देवरिया में देवरहवा बाबा की तपोभूमि घूमने, दर्शन-पूजन करने आते हैं । गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, बलिया, संतकबीर नगर तथा बिहार प्रान्त के गोपालगंज व सिवान के लाखों लोग रोजाना वाराणसी में बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर एवं भगवान बुद्ध की तीर्थ स्थली सारनाथ में पूजन-दर्शन करने जाते हैं । इसी प्रकार गंगा, यमुना एवं सरस्वती तीनों नदियों की संगम स्थली व तीर्थ नगरी प्रयागराज में स्नान करते हैं ।

महोदया, व्यापार की दृष्टि से भी इन जिलों के लोग व्यापार जैसे पान, फल, फूल व मिठाइयों तथा अन्य व्यापारिक दृष्टिकोण से हजारों लोग इस रेलखंड पर यात्रा करते हैं । इस रेलखंड पर कोई महत्वपूर्ण रेलगाड़ी न होने के कारण लाखों यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ।

महोदया, मैं इस मान्य सदन के माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी से ये मांग करता हूं कि गोरखपुर-भटनी-वाराणसी होते हुए प्रयागराज तक शताब्दी रेलगाड़ी या कोई सुपर फास्ट कुर्सीयान रेलगाड़ी का संचालन किया जाए, जिससे व्यापार व धार्मिक पर्यटन को भी बढ़वा मिलेगा ।